www.davvonline.com
davv ba question papers

दर्शनशास्त्र-2014

ज्ञान मीमासा एवं तत्व मीमांसा भारतीय एवं पाश्चात्य

Time 3 Hours] [Max. Marks : Regular 85/Private 100/Old ATKT 70

नोट- खण्ड अ, ब तथा स सभी विद्यार्थियों- नियमित, प्रायवेट एवं ओल्ड ए.टी.के.टी. के लिए अनिवार्य है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशों का पालन करें। सभी के लिये अंक विभाजन योजना प्रश्नपत्र में दर्शाये अनुसार होगी।

Section A, B, and C are compulsory for all - Regular, Private and Old A. T. K. T. studenst. Please follow the instructions,given in each section. Marks distribution for all students are as shown in question paper.

खण्ड अ : वस्तुनिष्ठ [Reg. 15 × 1 = 15/Pvt. 15 × 1 = 15/Old ATKT 15 × 1 = 15]

1. ज्ञान मीमांसा दर्शनशास्त्रकी शाखा है। हाँ/नहीं
2. प्रत्यक्ष दो प्रकार के होते हैं। हाँ/नहीं
3. प्रमाण दो प्रकार के होते है। हाँ/नहीं
4. तत्वमीमांसा धर्म का एक भाग है। सत्य/असत्य
5. पदार्थ के पाँच प्रकार है। सत्य/असत्य
6. 'ईश्वर' विचार न्याय दर्शन से सम्बन्धित है। हाँ/नहीं
7. बुद्धिवाद जैन दर्शन का सिद्धान्त है। हाँ/नहीं
8. 'अनुभववाद' भगवद् गीता काभा है। हाँ/नहीं
9. डेकार्ड भारतीय दार्शनिक थे। हाँ/नहीं
10. 'सर्वेश्वरवाद' स्पिनोजा का सिद्धान्त है। हाँ/नहीं
11. चिद्बिन्दुवाद बौद्ध दर्शन का सिद्धान्त है। हाँ/नहीं
12. बर्कले बुद्धिवादी दार्शनिक थे। हाँ/नहीं
13. ईश्वर विचार तत्व मीमांसा का एक भाग है। हाँ/नहीं
14. ईश्वर अस्तित्व का नैतिक तर्क कांट ने दिया है। हाँ/नहीं
15. ईश्वर अस्तित्व के दो प्रभाव है। हाँ/नहीं

खण्ड ब : लघु उत्तरीय [Reg 5 × 4 = 20/Pvt. 5 × 5 = 25/Old ATKT 5 × 3 = 15]

1. प्रमाण किसे कहते है समझाइए।

अथवा

प्रत्यक्ष कितने प्रकार का है? नाम बताइए।

2. पदार्थ से आप क्या समझते है?

अथवा

न्याय दर्शन का 'ईश्वर विचार' क्या है?

3. ज्ञान के साधन से क्या तात्पर्य है?

अथवा

www.davvonline.com

www.davvonline.com
davv ba question papers

'बुद्धिवाद' की व्याख्या कीजिए।

4. डेकार्ट की संदेह पद्धति क्या है? समझाइए।

अथवा

लॉक के दर्शन की संक्षिप्त व्याख्या कीजिए।

5. ईश्वर की अवधारणा क्या है?

अथवा

ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने वाले किन्हीं दो प्रमाणोंकी विवेचना कीजिए।

खण्ड स : दीर्घ उत्तरीय [Reg. 5 × 10 = 50/Pvt. 5 × 12 = 60/Old ATKT 5 × 8 = 40]

1. 'प्रमा' एवं 'अप्रमा' के भेद की व्याख्या कीजिए।

अथवा

अनुमान प्रमाण की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

2. भारतीय तत्व मीमांता से क्या तात्पर्य है? व्याख्या कीजिए।

अथवा

सामान्य और विशेष पदार्थ की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

3. ज्ञान के स्रोत कौन-कौन से है? व्याख्या कीजिए।

अथवा

अनुभववाद किसे कहते है? समझाइए।

4. लाईबनीज के चिद्बिन्दुवाद की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

अथवा

बर्कले के आत्मगत प्रत्ययवाद की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

5. ईश्वर के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।

अथवा

ईश्वर की सत्ता के लिए दिए गए तर्कों का परीक्षण कीजिए।

ooo

www.davvonline.com
www.davvonline.com
www.davvonline.com
www.davvonline.com
www.davvonline.com